



## संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड

### प्रलिस के लयः

[परजनन दर](#), [ECOSOC](#), [संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड](#), [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#), [जनसंख्या और वकलस के मुददे](#), [लैगकल समता](#), [संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन अवॉरड](#), [वशिव जनसंख्या दवलस](#), [सतत वकलस लकष्य](#)

### मेन्स के लयः

[वशिव जनसंख्या रपलरट का महतत्व](#), [जनसंख्या और वकलस से संबधतल मुददे](#), [यौन और परजनन स्वास्थय से संबधतल मुददे](#)

## संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड (UNFPA) क्यल है?

### परचयः

- [UNFPA](#), [संयुक्त राष्ट्र](#) की यौन और परजनन स्वास्थय एजेंसी है ।
- संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन एक्टवलटलज फंड की स्थापना वरष 1967 में एक [ट्रस्ट](#) के रूप में की गई थी ।
- इस एजेंसी ने वरष 1969 में कार्य करना शुरु कयल, उसी वरष संयुक्त राष्ट्र महासभा ने घोषणा की कल "माता-पतल को अपने बच्चों की संख्या और समय को स्वतंत्र रूप से तथा जमलमेदारी से नरलधरतल करने का वशलष अधकलर है ।"
- जनसंख्या के संबध में संयुक्त राष्ट्र परणाली में एजेंसी की अग्रणी भूमकल को परलकषतल करते हुए वरष 1987 में आधकलरकल तौर पर इसका नाम बदलकर संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड कर दयल गयल ।

### मशलनः

- इसका मशलन एक ऐसे वशलष का नरलमाण करना है, जहाँ **सभी गर्भावस्था वलछतल हो**, हर परसव सुरकषतल हो और परत्येक युवा का सामस्थय पूरण हो ।

### मोटोः

- इसका आदर्श वक्य "सभी के लयल अधकलर और वकलल्प का सुनशलचय" है ।

### संयुक्त राष्ट्र परणाली में UNFPA:

- UNFPA संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक **सहायक अंग** है ।
- यह जनसंख्या और वकलस के मुददों को संबधतल करने के लयल संयुक्त राष्ट्र परणाली में एक अदवतलतल भूमकल नभलता है, जसलमें ICPD कार्य कार्यक्रम तथा अंतरराष्टरीय वकलस लकष्यों के संदर्भ में [परजनन स्वास्थय](#) और [लैगकल समता](#) पर ज़ोर दयल जलता है ।
- महासभा और [आर्थकल एवं सामाजकल परषलद \(ECOSOC\)](#), UNFPA का समग्र रूप से नीतलके संबध में मार्गदर्शन करता है ।
  - यह परशासनकल, वतलतलतल और कार्यक्रम मामलों पर 36 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों के UNDP/UNFPA कार्यकारी बोरड को रपलरट करता है तथा संयुक्त राष्ट्र आर्थकल एवं सामाजकल परषलद (ECOSOC) से सभी नीतलतलतल के संबध में मार्गदर्शन प्राप्त करता है ।
  - **कार्यकारी बोरड** 36 सदस्यों से मललकर बना है, जनलमें से आठ अफ़रीका से, सात एशयल और परशांत से, चार पूरवी यूरोप से, पाँच लैटनल अमेरकल व क़ैरबललन से तथा 12 पश्चमल यूरोप एवं अन्य वकलसतल देशों से हैं ।
- यह कषे संबद्ध कषेत्र में कई अन्य वकलस और मानवतावादी एजेंसतलतल (वशलष रूप से [WHO](#), [UNICEF](#), [UNDP](#) और [UNAIDS](#)) के साथ मललकर कार्य करता है ।

### अंतर-सरकारी और अंतर-एजेंसी परकरयलतलतल:

- वकलस में परभावी भागीदार की भूमकल नभलाने के लयल UNFPA को देशों द्वारा अपने नागरकलतल के जीवन को बेहतर बनाने के सममुख आने वलली चुनौतलतलतल और उन चुनौतलतलतल पर संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई के बारे में जानकलरी रखने की आवश्यकता होती है ।
- इसे पूरा करने के लयल UNFPA महासभा के लगभग 150 एजेंडा वषलतलतल के **वाद-ववलद में सहयोग** करता है, ECOSOC के परकार्यलतलतलक तथा कषेत्रीय अंतर-सरकारी आयोगों में भाग लेता है एवं **अन्य संस्थाओं**, जैसे देशज मुददों पर स्थायी मंच और मानवाधकलर परषलदके **साथ मललकर काम करता है** ।
- चूँकल यह UNFPA अधदलश से संबधतल नीतलतलतल तैयार करता है, इसलयल महासभा को तकनीकी सुझाव भी परदान करता है ।
- UNFPA संयुक्त राष्ट्र वकलस समूह (UNDG) के **चार संस्थापक सदस्यों में से एक** है, जसल महासचवल ने 1997 में देश स्तर पर संयुक्त राष्ट्र वकलस की सुसंगतता में सुधार करने के लयल बनाया था ।
- UNFPA अंतर-एजेंसी **सहयोग और परकरयलतलतल** में भी भाग लेता है । उदलहरण हेतु यह समन्वय के लयल संयुक्त राष्ट्र मुख्य कार्यकारी

बोर्ड (CEB) का सदस्य है, जो संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के कार्यकारी प्रमुखों के लिये उनके कार्यों और नीतियों के समन्वय के लिये मुख्य साधन है।

- संयुक्त राष्ट्र का **महासचिव** CEB का अध्यक्ष होता है और इसकी बैठक वर्ष में दो बार होती है। वर्ष 2007 में UNDG को CEB के अधीन किया गया था।

#### ■ नकियाय:

##### ○ लेखापरीक्षा और जाँच:

- **लेखापरीक्षा और जाँच सेवा कार्यालय (OAIS)** आंतरिक लेखापरीक्षा और जाँच जैसे कार्य करता है।
- OAIS का नदिशक प्रत्यक्ष रूप से UNFPA के कार्यकारी नदिशक को रिपोर्ट करता है और **स्वतंत्र एवं वस्तुनिष्ठ आश्वासन** के साथ-साथ UNFPA के संचालन को उन्नत बनाने और इसमें सुधार करने के लिये सलाहकार सेवाएँ प्रदान करता है।

##### ○ नरीक्षण सलाहकार समिति:

- वित्तीय प्रबंधन और रिपोर्टिंग, बाहरी लेखा परीक्षा मामलों, जोखिम प्रबंधन, आंतरिक नियंत्रण एवं जवाबदेही की प्रणालियों व नरीक्षण प्रक्रिया (आंतरिक लेखा परीक्षा, मूल्यांकन, जाँच और नैतिकता कार्य) के संबंध में अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने में UNFPA के कार्यकारी नदिशक की सहायता हेतु एक पाँच सदस्यीय नरीक्षण सलाहकार समिति (OAC) की स्थापना की जाती है।

##### ○ स्वतंत्र मूल्यांकन कार्यालय:

- UNFPA में मूल्यांकन **तीन मुख्य उद्देश्यों** को पूरा करता है। यह जवाबदेही साक्ष्य-आधारित नरिणय लेने और सीखने को प्रभावी करता है।
- स्वतंत्र मूल्यांकन कार्यालय (IEO) मूल्यांकन पर वार्षिक रिपोर्ट सहित कार्यकारी बोर्ड को सीधे रिपोर्ट करता है।

##### ○ कार्यकारी बोर्ड:

- कार्यकारी बोर्ड महासभा, आर्थिक और सामाजिक परिषद एवं संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नीतिभारदर्शन के अनुसार UNDP, UNFPA व UNOPS की गतिविधियों को **अंतर-सरकारी सहायता** प्रदान करता है तथा उनकी नगरानी करता है।

#### ■ अधदिश:

- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) द्वारा वर्ष 1973 में स्थापित तथा वर्ष 1993 में पुनः पुष्टि किये गए UNFPA का अधदिश है:

- **जनसंख्या एवं परिवार नियोजन में आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु ज्ञान एवं क्षमता का नरिमाण करना।**
- वकिसति एवं वकिसशील दोनों देशों में जनसंख्या समस्याओं तथा इन समस्याओं को हल करने की संभावित रणनीतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना।
- व्यक्तगत देशों की आवश्यकताओं के लिये सबसे उपयुक्त रूपों एवं साधनों में उनकी जनसंख्या समस्याओं में सहायता करना।
- **जनसंख्या कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा कोष द्वारा समर्थित परियोजनाओं के समन्वय में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में अग्रणी भूमिका नभाना।**

#### ■ लक्ष्य:

- UNFPA का लक्ष्य सभी के लिये विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिये **यौन एवं प्रजनन अधिकार** तथा वकिलप सुनिश्चित करना है, ताकि वे स्वैच्छिक परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य देखभाल, व्यापक लैंगिक शिक्षा सहित उच्च गुणवत्ता वाली यौन व प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सकें।

- यह लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है और महिलाओं, लड़कियों व युवाओं को अपने शरीर तथा अपने भविष्य पर नियंत्रण रखने के लिये सशक्त बनाता है।
- यह यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की एक वसितृत शृंखला तक पहुँच प्रदान करने के लिये 150 से अधिक देशों में भागीदारों के साथ कार्य करता है।
- इसका **लक्ष्य वर्ष 2030 तक परिवार नियोजन**, रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु और लगी आधारित हिंसा तथा बाल विवाह व महिला जननांग वकृति सहित हानिकारक प्रथाओं को समाप्त करना है।

## जनसंख्या एवं वकिस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICPD) क्या है?

#### ■ परिचय:

- वर्ष 1994 में काहिरा में आयोजित **जनसंख्या और वकिस पर ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICPD)** ने जनसंख्या एवं वकिस के मुद्दों पर वैश्विक सोच को बदल दिया तथा एक साहसिक एजेंडा परिभाषित किया, जिसमें लोगों की गरमा व अधिकारों को सतत् वकिस के केंद्र में रखा गया।
- सम्मलेन में 179 सरकारों ने ICPD कार्य योजना को अपनाया। इसने पुष्टि की कि प्रजनन अधिकारों सहित मानव अधिकारों को प्राथमिकता दी बनि समावेशी सतत् वकिस संभव नहीं है। इसमें महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाना व असमानताओं के साथ-साथ व्यक्तगत महिलाओं और पुरुषों की जरूरतों, आकांक्षाओं तथा अधिकारों को संबोधित करना, शामिल है।
- ICPD ने जन-केंद्रित वकिस के लिये मानक नरिधारित किये, संसदों और नागरिक समाज के सहयोग से सरकारों द्वारा कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय नीतियों व कार्यक्रमों का मार्गदर्शन किया, जिसमें महिलाओं तथा युवाओं के नेतृत्व वाले संगठन, नजी क्षेत्र, सामुदायिक समूह एवं जमीनी स्तर पर व्यक्त शामिल हैं।
- ICPD कार्यक्रम और वर्ष 2019 नैरोबी वक्तव्य, जो सतत् वकिस के लिये वर्ष 2030 एजेंडा के संदर्भ में उस कार्यक्रम के प्रतपुनः प्रतबिद्धता है, ने तब से UNFPA के कार्य का मार्गदर्शन किया है।

#### ■ वर्तमान ICPD एजेंडा :

- जन-केंद्रित वकिस ने कई प्रगतियों को संभव बनाया है, लेकिन काहिरा में ऐतिहासिक शखिर सम्मेलन के तीस वर्ष बाद, वर्तमान में इनके

परिवर्तित हो जाने का खतरा है।

- आज प्रगति को कई तरह के संकटों से चुनौती मिल रही है, जिसमें महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों तथा वकिलों में कमी, कोविड-19 महामारी का प्रभाव एवं यौन व प्रजनन स्वास्थ्य तथा अधिकार एजेंडे का ध्रुवीकरण शामिल है।
- जबकि सामाजिक न्याय, जलवायु कार्रवाई और समानता के लिये प्रगतिशील सरकारिता है, विश्व कठिन परिस्थिति से प्राप्त लाभों को संरक्षित करने तथा ICPD एजेंडा एवं सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के वज़िन को पूरा करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है।

## UNFPA का वित्तपोषण तंत्र क्या है?

- UNFPA को **संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट** से सहायता नहीं मिलती है, बल्कि यह पूरी तरह से दानकरता सरकारों, अंतर-सरकारी संगठनों, नज़ी क्षेत्र और फाउंडेशनों तथा व्यक्तियों के स्वैच्छिक योगदान से समर्थित है।
- यह सरकारों और अन्य साझेदारों से वित्तीय संसाधन जुटाता है, ताकि ऐसे कार्यक्रमों का समर्थन किया जा सके, जिनका उद्देश्य "तीन शून्य" अर्थात् परिवार नियोजन की शून्य अपूर्ण आवश्यकता, शून्य रोकथाम योग्य मातृ मृत्यु, शून्य हानिकारक प्रथाएँ एवं लिंग आधारित हिंसा को प्राप्त करना तथा वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों की दशा में प्रगति को गति देना है।
- **मुख्य संसाधन:**
  - मुख्य संसाधन बना किसी प्रतिबंध के योगदान स्वरूप हैं।
  - UNFPA मुख्य फंडिंग का उपयोग सबसे अधिक ज़रूरतमंद लोगों को आवश्यक यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिये करता है।
  - प्रत्येक वर्ष UNFPA विधि दानदाताओं के समूह से मुख्य संसाधन जुटाने के लिये अभियान चलाता है।
- **गैर-प्रमुख संसाधन:**
  - गैर-प्रमुख संसाधनों में नमिनलखित वित्तपोषण और वित्तीय साधन शामिल हैं:
    - **वषियगत नधियाँ** जैसे कि UNFPA आपूर्तियाँ, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य वषियगत नधि, मानवीय कार्रवाई वषियगत नधि और जनसंख्या डेटा वषियगत नधि।
    - संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त और अंतर-एजेंसी तंत्र जैसे बाल विवाह को समाप्त करने के लिये कार्रवाई में तेजी लाने हेतु UNFPA-UNICEF वैश्विक कार्यक्रम; महिला जननांग वकिल के उन्मूलन पर UNFPA-UNICEF संयुक्त कार्यक्रम और महिलाओं एवं लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिये स्पॉटलाइट पहल।
- **अन्य संसाधन:**
  - अन्य संसाधनों में **समेकित वैश्विक वित्तपोषण तंत्र और नवीन वित्तपोषण मॉडल** तथा उपकरण जैसे मशरति वित्त, प्रभाव नविश बॉण्ड, वित्तीय एवं बीमा उत्पाद, सामाजिक उद्यमिता, ऋण स्वैप और गारंटी शामिल हैं।

## UNFPA द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण क्या हैं?

- UNFPA का कार्य इस धारणा पर आधारित है कि **सभी मनुष्यों को समान अधिकार और सुरक्षा प्राप्त है।**
- यह महिलाओं और युवा लोगों पर ध्यान केंद्रित करता है क्योंकि ये ऐसे समूह हैं जिनकी यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य के अधिकार का प्रयोग करने की क्षमता अक्सर प्रभावित होती है।
- यह उनकी ओर से काम करता है और जनसंख्या गतिशीलता, मानवाधिकारों तथा सांस्कृतिक संवेदनशीलता की समझ से प्रेरित होता है।
  - **मानवाधिकार-आधारित दृष्टिकोण:**
    - UNFPA अपने पूरे काम में **मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण** अपनाता है। इसमें **व्यक्तियों और समुदायों को उनके मानवाधिकारों के बारे में शक्ति करना** शामिल है ताकि वे सम्मान तथा बुनियादी सेवाओं की मांग कर सकें जसिके वे हकदार हैं। इस दृष्टिकोण में सरकारों को **इन अधिकारों को पूरा करने के लिये सशक्त बनाना** भी शामिल है।
    - UNFPA उन एजेंसियों में से एक थी, जसिने वर्ष 2003 में विकास सहयोग के लिये मानव अधिकार आधारित दृष्टिकोण (Human-Rights-Based Approach- HRBA) पर संयुक्त राष्ट्र आम समझ को अपनाया था, जो स्पष्ट करता है कि कार्यक्रमों में मानव अधिकार मानकों और सदिधांतों को कसि प्रकार व्यवहार में लाया जाना चाहिये।
  - **अधिकार बनाम आवश्यकता दृष्टिकोण:**
    - वर्ष 1997 से पहले अधिकांश संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसियों "बुनियादी आवश्यकताओं" के दृष्टिकोण का पालन करती थी अर्थात् वे लाभार्थियों की बुनियादी आवश्यकताओं की पहचान करती थीं और या तो सेवा वितरण में सुधार के लिये पहल का समर्थन करती थीं या उनकी पूर्ता का समर्थन करती थीं।
    - UNFPA और उसके साझेदार अब लाभार्थियों की आवश्यकताओं के बजाय लोगों के अधिकारों को पूरा करने के लिये काम करते हैं।
    - अधिकार-आधारित दृष्टिकोण **कर्तव्य-धारकों में अपने दायित्वों को पूरा करने** की क्षमता विकसित करता है और अधिकार धारकों को अपने अधिकारों का दावा करने के लिये प्रोत्साहित करता है। सरकारों के पास तीन स्तर के दायित्व हैं, प्रत्येक अधिकार का सम्मान करना, उसकी रक्षा करना तथा उसे पूरा करना।
  - **सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण:**
    - वर्ष 2002 में UNFPA ने अधिक **सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील तरीके** से काम करना शुरू किया ताकि अपने कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर और अधिक टिकाऊ परिणाम प्राप्त किया जा सकें।
    - आस्था-आधारित क्षेत्र के साथ UNFPA के दशकों के अनुभव ने परिवर्तन के सांस्कृतिक एजेंट के रूप में आस्था-आधारित



- संगठनों को शामिल करने के लिये दशिया-नरिदेश तैयार कयि हैं ।
- वे राष्ट्रीय कषेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सदिधांतों, रणनीतियों तथा परचालन सहति साझेदारी की रूपरेखा परस्तुत करते हैं ।
- ऐसे संबंधों को आगे बढ़ाने के लिये UNFPA ने वकिसा साझेदारों हेतु एक मूल्यवान संसाधन, **जनसंख्या और वकिसा के लिये वैश्विक अंतरधार्मिक नेटवर्क**, बनाया है ।
- UNFPA में परणाम-आधारति परबंधन:
  - UNFPA 2030 तक **तीन महत्त्वकांकषी, जन-केंद्रति परविरत्नकारी परणाम प्रापत करने के लिये परतबिद्ध** है । ये परविरत्नकारी परणाम हैं:
    - रोकथाम योग्य मातृ मृत्यु दर को समापत करना;
    - परविर नयिोजन की अपूरण आवश्यकता को समापत करना और
    - लगि आधारति हसिा और महलिा जननांग वकितति तथा बाल वविाह, कम उमर में वविाह एवं जबरन वविाह सहति सभी हानकिारक परथाओं को समापत करना ।

## UNFPA की प्रमुख पहल क्या हैं?

- UNFPA 150 से अधिक देशों और कषेत्रों में काम करता है, जहाँ वशिव की अधिकांश जनता रहती है ।
- जनसंख्या एवं वकिसा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (International Conference on Population and Development-ICPD)** की वर्ष 1994 की कार्ययोजना के मार्गदर्शन में UNFPA अपने मशिन को आगे बढ़ाने के लिये सरकारों, नागरिक समाज और अन्य एजेंसियों के साथ साझेदारी करता है ।
- फरवरी 2014 में जारी **ICPD बयिॉनड 2014 ग्लोबल रपिरट** से पता चला ककितिनी प्रगति हुई है और कतिना महत्त्वपूर्ण कार्य अभी कथिा जाना बाकी है ।
- रपिरट में पहचानी गई कार्रवाइयों और सफिरारिं ICPD कार्य कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्रापत करने तथा वर्ष 2015 के बाद के वकिसा एजेंडे के साथ इसके संबंध स्थापति करने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं ।
- 2030 तक तीन शून्य:** वर्ष 2018 में UNFPA ने 2030 तक तीन परविरत्नकारी परणाम प्रापत करने के प्रयास शुरु कयि, जनिहें तीन शून्य के रूप में भी जाना जाता है:
  - परविर नयिोजन की अपूरण आवश्यकता को समापत करना:** परविर नयिोजन की अपूरण आवश्यकता को समापत करना । यह वकिसाशील देशों को दान की गई गर्भनरिोधक दवाओं का वशिव का सबसे बड़ा प्रदाता है और इसके कार्यक्रम गर्भनरिोधक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाते हैं तथा सेवाओं में आने वाली बाधाओं को दूर करते हैं ।
  - मातृ मृत्यु (नविर्य) को समापत करना:** रोके जा सकने वाली (नविर्य) मातृ मृत्यु को शून्य करना । इसने स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य कर्मियों व दाइयों (प्रसावकिा) को प्रशकषति और शकषति करने तथा प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी शृंखला तक पहुँच में सुधार करने में मदद की है । **महलिाओं के मातृ स्वास्थ्य** के लिये इसका समर्थन 32 देशों में वशिष रूप से महत्त्वपूर्ण है, जहाँ मातृ मृत्यु दर तथा रुगणता की दर सबसे अधिक है ।
  - लगि आधारति हसिा और हानकिारक परथाओं को समापत करना:** **लगि आधारति हसिा और हानकिारक परथाओं को शून्य करना** । यह नीतिनरिमाताओं, न्याय प्रणालियों तथा स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ काम करता है एवं लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिये पुरुषों व लड़कों को शामिल करता है । यह मानवीय संकटों सहति आवश्यक सेवाओं का संयोजन प्रदान करके लगि आधारति हसिा के बचे लोगों की रकषा करता है ।
- राष्ट्र स्तर पर कार्य करना: वर्ष 2014-2017 रणनीतिक योजना के अनुरूप, UNFPA सरकारों के साथ मलिकर और हमेशा उनके अनुरोध पर कार्य करता है ।**
  - UNFPA ICPD कार्य कार्यक्रम में उल्लिखति लक्ष्यों की प्रापति में उनका समर्थन करता है, जसिमें **परविर नयिोजन सहति यौन व प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकारों तक सार्वभौमिक पहुँच**, मातृ मृत्यु तथा वकिलांगता में कमी शामिल है ।
  - जनसंख्या और प्रजनन स्वास्थ्य पर अग्रणी बहुपक्षीय एजेंसी के रूप में UNFPA यह सुनिश्चति करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है ककजनसंख्या-गरीबी संबंध एवं ICPD अधकिार-आधारति एजेंडा को अन्य एजेंसियों के समन्वय में देश स्तर पर नयिोजन में एकीकृत कथिा जाए ।
- डेटा को परपिरेकष्य में रखना: कसिी देश की जनसंख्या, वृद्धि, वशिषताओं, जीवन स्तर, भौगोलिक वतिरण और भौतिक संसाधनों के बारे में जानकारी या डेटा नीतिनरिमाण, नयिोजन तथा कार्यान्वयन के लिये आवश्यक है ।**
  - जनसंख्या स्थति विश्लेषण** UNFPA द्वारा बनाए गए टूलस में से एक है, जो देशों को जनसंख्या गतिकी, प्रजनन स्वास्थ्य और लैंगिक मुद्दों को राष्ट्रीय वकिसा रणनीतियों में एकीकृत करने में मदद करता है ।
- कषेत्रीय और वैश्विक समर्थन:**
  - UNFPA अपने मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये **कषेत्रीय और वैश्विक स्तर पर** भी कार्य करता है ।
  - यह वार्षिक रूप से अपनी प्रमुख **वशिव जनसंख्या रपिरट** प्रकाशति करता है, **2022 2021 2020 2019 2018** जैसी प्रदर्शनियों का समर्थन करता है और ग्लोबल एजुकेशन फरस्ट इनिशिएटिवि में भाग लेता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली शकषिा के लिये वैश्विक आंदोलन को सुदृढ़ करने के लिये **वैश्विक अभकिरत्ताओं एवं अधविकताओं को एक साथ लाता है** ।
  - UNFPA **नागरिक समाज और सांसदों** के साथ भी मलिकर कार्य करता है ।
  - यह जनसंख्या के महत्त्व और ICPD कार्य योजना को सभी अंतरराष्ट्रीय वकिसा एजेंडों में शामिल करने की आवश्यकता के लिये कई कषेत्रीय, वशिषगत तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक **प्रबल, तथ्य-आधारति तर्क** प्रस्तुत करता है ।
- नागरिक पंजीकरण और महत्त्वपूर्ण सांख्यिकी प्रणालियों के लिये उत्कृष्टता केंद्र:**
  - द सेंटर ऑफ एकसीलेंस फॉर सविलि रजसि्ट्रेशन एंड वाइटल स्टेटसि्टिक्स (CoE-CRVS)** एक वैश्विक संसाधन केंद्र है, जो सभी नागरिकों, वशिष रूप से महलिाओं और लड़कियों के लिये कार्यरत सतत नागरिक पंजीकरण एवं महत्त्वपूर्ण सांख्यिकी (CRVS) प्रणालियों को वकिसति, सुदृढ़ तथा प्रोत्साहति करने के लिये राष्ट्रीय, कषेत्रीय तथा वैश्विक प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन करता

है।

- CoE-CRVS की स्थापना वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय विकास अनुसंधान केंद्र (IDRC, कनाडा) में की गई थी। अगस्त 2021 में CoE-CRVS ने 150 से अधिक देशों में गतिविधियों के साथ UNFPA के वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से केंद्र की पहुँच का वसतिार करने के लिये UNFPA में संक्रमण किया। CoE-CRVS को ग्लोबल अफेयर्स कनाडा, IDRC और UNFPA द्वारा वतित पोषति किया जा रहा है।

#### ■ रणनीतिक योजना (वर्ष 2022-2025):

- यह विश्व भर के हतिधारकों को सभी के लिये यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य तक पहुँच प्राप्त करने, जनन अधिकारों को साकार करने, **जनसंख्या और विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (ICPD) के कार्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन में तेजी** लाने के उद्देश्य से UNFPA में शामिल होने के लिये आमंत्रति करती है।
- वर्ष 2030 **तीन क्रांतिकारी लक्ष्यों**— परिवार नयोजन की आवश्यकताओं (जनिकी पूरति नहीं हुई है) का उन्मूलन, मातृ मृत्यु दर पर नयितरण और लगी आधारति हसिा एवं हानकारक प्रथाओं का उन्मूलन, को प्राप्त करने की आसन्न समय-सीमा को चहिनति करता है।
- **नई रणनीतिक योजना** महिलाओं, कशिरों और युवाओं जो बदलाव के प्रमुख अभकिरत्ता हैं, के अधिकारों एवं समावेशी भागीदारी पर ध्यान केंद्रति करके सबसे कमज़ोर समूहों को प्राथमकिता देती है, जसिमें **गरीबी** में रहने वाले, दवियांगजन या वंचति समुदायों से आने वाले लोग शामिल हैं।

#### ■ यौन व प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों के लिये आपूरति शृंखला भागीदार:

- UNFPA **यौन व प्रजनन स्वास्थ्य (SRH)** आपूरति की खरीद के लिये संयुक्त राष्ट्र प्रणाली की एक अग्रणी एजेंसी है, जो गर्भनरिोधकों दवाओं की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की खरीदकरत्ता है।

#### ■ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार:

- प्रत्येक वर्ष **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार समति** जनसंख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों तथा उनके समाधान में उत्कृष्ट योगदान के लिये कसिी व्यक्त और/या संस्था को सम्मानति करती है।

#### ■ विश्व जनसंख्या दविस:

- **विश्व जनसंख्या दविस** जो **जनसंख्या संबंधी मुद्दों** की तात्कालकिता और महत्त्व पर ध्यान केंद्रति करने का प्रयास करता है, की शुरुआत वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की तत्कालीन शासी परिषद द्वारा की गई थी, जो 11 जुलाई 1987 की तारीख जसि पर विश्व की अनुमानति जनसंख्या पाँच अरब हो गई थी, के सार्वजनिक हति से प्रेरति थी।
- इसका उद्देश्य पर्यावरण और विकास के साथ उनके संबंधों सहति **जनसंख्या संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना** है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????

प्रश्न. समालोचनापूरवक परीक्षण कीजयि कक्या बढ़ती हुई जनसंख्या नरिधनता का मुख्य कारण है या कनरिधनता जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है। (2015)

प्रश्न. क्या कारण है कभारत के कुछ अत्यधिक समृद्ध प्रदेशों में महिलाओं के लिये प्रतकिल स्त्री-पुरुष अनुपात है? अपने तरक पेश कीजयि। (2014)